ओ३म्

सामवेदसंहितायाः ॥

मन्त्राणां

वर्णानुक्रमसूची

अजमेरस्थ वैदिक यन्त्रालये

मुद्रिता

द्वितीयावृत्ति,

सृष्ट्यब्दाः १९७२९४९०११

संवत् १९६७ वि०

ओ३म्

सामवेदसंहितायाः

मन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची

अ

आ

इ

ई

उ

ऊ

ऋ

पृष्ठांक.		प्र.	अर्ध.
११६ ऋतावानंमहि	उ	९	२
१०८ ऋतावानंवैश्वा	उ	८	२
५९ ऋतेनमित्रा	उ	२	२
५७ ऋतेनयावृता	उ	२	१
५० ऋषकसोम	उ	१	१
७८ ऋषिमनाय	उ	५	१
५१ ऋषिर्विप्रः	उ	१	१

ए

७२ एतमुत्यंदश	उ	४	१
८३ एतमुत्यंदश	उ	५	२
४२ एतमुत्यंमदच्युतं	पू	६	२
१११ एताउत्याउषसः	उ	८	३
५९ एतेअसृग्रमिन्दवः	उ	२	२
७८ एतेसोमाअभि	उ	५	१
७१ एतेसोमाअसृ	उ	४	१
२८ एतोन्विन्द्रंस्तवा	पू	४	२
२५ एतोन्विन्द्रंस्तवाम	पू	४	२
९० एतोन्विन्द्रंस्तवाम	उ	६	२
८३ एतंत्यंहरितो	उ	५	२
८३ एतंत्रितस्य	उ	५	२
८२ एतंमृजन्ति	उ	५	२
२८ एदुमधोर्मदिन्त	पू	४	२
१०७ एदुमधोर्मदिं	उ	८	२
५० एनाविश्वा	उ	१	१
४३ एनाविश्वान्यर्य	पू	६	२
४ एनावोअग्निंनम	पू	१	१
५४ एनावोअग्निं	उ	१	२
२८ एन्दुमिन्द्रायसिञ्च	पू	४	२
९७ एन्दुमिन्द्राय	उ	७	१
२९ एन्द्रनोगधिप्रिय	पू	५	१
८१ एन्द्रनोगधि	उ	५	१
११ एन्द्रपृक्षुकासु	पू	३	१
११५ एन्द्रयाहि	उ	६	१
२५ एन्द्रयाहिहरि	पू	४	२
३३ एन्द्रयाह्युपनः	पू	५	२
६ एन्द्रसानसिंरयिं	पू	२	१
११४ एभिर्नोअर्कैः	उ	९	१
९२ एमेनंप्रत्येतन	उ	६	२
६० एवानःसोम	उ	२	२
५७ एवापवस्व	उ	२	१
८८ एवामृताय	उ	६	१
५८ एवारातिस्तुवि	उ	२	१
४८ एवाहिशक्रो	महा		
१६ एवाह्यसिवीर	पू	३	१
५८ एवाह्यसि	उ	१	१
४८ एवाह्येव	महा		
८३ एषइन्द्राय	उ	५	२
८२ एषउस्यपुरु	उ	५	२
८३ एषउस्यवृषा	उ	५	२
८३ एषकविरभि	उ	५	२

ऐ

ओ

औ

क

ग

घ

च

ज

पृष्ठांक.		प्र.	अर्ध.	पृष्ठांक.		प्र.	अर्ध.
२२ जगृह्याते	पू	४	१	१०७ जराबोधत	उ	८	२
५८ जघ्निर्वृत्रं	उ	२	१	२ जराबोधतद्विवि	पू	१	१
६६ जज्ञानोवाचं	उ	३	२	७ जातःपरेणधर्म	पू	१	२
८ जज्ञानःसप्त	पू	२	१	७६ जुष्टइन्द्राय	उ	५	१
६३ जनस्यगोपा	उ	२	१	११४ जुष्टोहिदूतोअसि	उ	६	१
६१ जनीयन्तोन्वग्र	उ	६	३	७० ज्योतिर्यज्ञस्यपव	उ	४	१

त

३६ तत्वधदी	पू	६	१	३३ तामिन्द्रजोहवीमि	पू	५	२
१०५ तज्ञाधयापुरा	उ	८	१	९ तामिन्द्रंवला	पू	२	१
४५ ततोविराडजा	पू	६	३	६ तामिद्रंवाजयाम	पू	२	१
४५ तत्तेयज्ञोअजायत	पू	६	३	८० तामिन्द्रंवाजया	उ	५	१
९१ तत्तेयज्ञोअजायत	उ	६	२	७६ तमीड्ष्व	उ	४	२
९३ तत्सवितुर्वरे	उ	६	३	२८ त्रमुत्र्अभिप्रगायत	पू	४	२
८ तदग्नेद्युम्नमाभर	पू	२	१	९० तमुत्वानूनं	उ	६	२
६१ तदद्याचित्त	उ	२	२	६१ तमुष्टवाम	उ	२	२
९४ तदिदासभुवने	उ	६	३	५४ तमुहुवेवाज	उ	१	२
१०७ तद्विप्रासोविप	उ	८	२	११७ तमोषधीर्दधिरे	उ	९	२
१०७ तद्विष्णोपरमं	उ	८	२	६२ तयापवस्व	उ	६	३
९ तद्वोगायसुते	पू	२	१	१४ तरणिर्वोजनानां	पू	३	१
१०७ तद्वोगायसुते	उ	८	२	१६ तरणिरित्सिषास	पू	३	१
६१ तपोष्पवित्रं	उ	२	२	६० तरणिरित्सि	उ	२	२
८८ तमग्निमस्ते	उ	६	१	३६ तरणिर्विश्व	पू	६	३
१०५ तमस्यमर्जया	उ	८	१	३६ तरत्समन्दी	पू	६	१
८५ तमिद्वर्धन्तु	उ	५	२	७१ तरत्समन्दी	उ	४	१

द

प

व

भ

म

य

र

व

श

स

ह

॥ इति ॥



वैदिक पुस्तकालय अजमेर की विक्रय पुस्तकों का सूचीपत्र व

बेचने के संक्षिप्त नियम ॥



(१) सब पुस्तकें रोक दाम पेशगी भेजने पर या वी. वी. द्वारा भेजी जावेंगी (२) मूलवेदों पर (जिल्द की कीमत व सुनहरी वेदों को छोड़) २ सेट पर २०) २१पर २२) और१००) पर ३०) सैकड़ा और शेष सब पुस्तकों पर १०) रुपये वा इस से अधिक के पुस्तक मंगवानेवालों को २०) सैकड़े के हिसाब से कमीशन दिया जायगा अर्थात् ८) में १०) की पुस्तकें,१००) रोक भेजने पर १२२) की पुस्तकें भेजी जावेंगी (३) महसूल सब पुस्तकों का अलग लिया जावेगा (४) बिके हुए पुस्तक वापिस न लिये जावेंगे (५) मूल्य आदि भेजने तथा बड़ा सूचीपत्र मंगवाने के लिये नीचे लिखे पते से पत्र व्यवहार करें ॥

	मूल्य.	डा.
ऋग्वेदभाष्य पहले मंडल से सातवें मंडल के पांचवे अष्टकके पांचवें अध्याय से तीसरे वर्ग के दूसरे मंत्र तक कीमत	१०)	
कमीशन २०) सैकड़ा दिया जावेगा		
नोट—फुटकर अंक नहीं बेचे जावेंगे		
ऋग्वेद का आगे का शेष मूल भाग	१)	
ऋग्वेदभाष्य का नमूना	)॥	)॥
यजुर्वेदभाष्य सम्पूर्ण	१०)	
कमीशन २०) सैकड़े से दिया जावेगा		
नोट—फुटकर नहीं बेचे जावेंगे		
चारों मूलवेदः—		
बढ़िया कागज पर स्वर्णाक्षरों में	८)	
बढ़िया कागज पर बिना जिल्द	५॥)	
साधारण कागज पर बिना जिल्द	५)	
बढ़िया जिल्द के	२) अलग	
चारोंवेदों की अनुक्रमणिका	१॥)	=)॥
शतपथ ब्राह्मण सम्पूर्ण	४)	।)
ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका	१।)	≡)

	मूल्य.	डा.
ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका सजिल्द	१॥)	।)
वेदाङ्गप्रकाश सम्पूर्ण (१४ भाग)	४।≡)॥	।≡ ॥
वेदाङ्गप्रकाश का ब्योरा:—		
वर्णोच्चारण शिक्षा	)॥।	)॥
सन्धिविषय	।-)	)॥
नामिक	।)	)॥
कारकीय	≡)	॥
सामासिक	।)	)॥
स्त्रैणताद्धित	॥=)	-)
अव्ययार्थ	-)॥	)॥
सौवर	-)॥	)॥
आख्यातिक	१।)	=)
पारिभाषिक	≡)	)॥
धातुपाठ	।)	)॥
गणपाठ	≡)	)॥
उणादिकोष	॥)	-)
निघण्टु	।)	)॥
निरुक्त	॥=)	-)॥
अष्टाध्यायीमूल	≡)॥	)॥
संस्कृतवाक्यप्रबोध	=)	)॥
व्यवहारभानु	=)	)॥
हवनमन्त्र	)।	)॥
भ्रमोच्छेदन	)॥।	)॥
अनुभ्रमोच्छेदन	)॥।	)॥
शास्त्रार्थ मेला चांदापुर नागरी	-)	)॥
शास्त्रार्थ मेला चांदापुर उर्दू	-)	)॥
शास्त्रार्थ काशी	)॥।	)॥
शास्त्रार्थ फीरोज़ाबाद	-)॥	)॥
वेदविरुद्धमतखण्डन	=)	॥

	मूल्य.	डा.
वेदान्तिध्वान्तनिवारण नागरी	)॥।	)॥
वेदान्तिध्वान्तनिवारण अङ्गरेज़ी	-)	)॥
आर्योद्देश्यरत्नमाला नागरी	)।	)॥
आर्योद्देश्यरत्नमाला मरहठी	-)	)॥
गोकरुणानिधि	-)	)॥
स्वामीनारायणमतखं० संस्कृत गुज.	-)॥	)॥
स्वामीनारायणमतखं० सं० नागरी	-)॥	)॥
स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाश नागरी	)॥	)॥
स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाश अङ्गरेज़ी	)।	)॥
आर्याभिविनय गुटका	≡)	)॥
आर्याभिविनय सजिल्द	।-)	-)
आर्याभिविनय मोटे अक्षरों की	।=)	=)
भ्रान्तिनिवारण	-)	)॥
पञ्चमहायज्ञविधि	-)॥	॥
पञ्चमहायज्ञविधि साधारण जिल्द	≡)॥	)॥
पञ्चमहायज्ञविधि बढ़िया	=)	)॥
आर्य्यसमाज के नियमोपनियम	)।	)॥
सत्यार्थप्रकाश साधा० कागज़ नागरी	१)	।)
सत्यार्थप्रकाश साधा० सजिल्द ,,	१।)	।-)
सत्यार्थप्रकाश बढ़िया ,,	१॥)	।-)
सत्यार्थप्रकाश बढ़िया सजिल्द ,,	२।)	।=)
सत्यार्थप्रकाश बङ्गभाषा में	१)	
संस्कारविधि	॥)	=)
संस्कारविधि सजिल्द	१)	≡)
स्वीकारपत्र	)।	)॥

आर्य्यसमाज के नियम नागरी में एक प्रकार की स्याही में =)॥ सैकड़ा, रङ्ग बिरङ्गी स्याही में तथा सुनहरी २) सैकड़ा, अङ्गरेज़ी में सफ़ेद कागज़ पर ।) सैकड़ा ॥

प्रबन्धकर्त्ता वैदिक पुस्तकालय—अजमेर